an>

Title: Issue regarding problems faced by the transporters in the country due to demonetization.

श्री राहुल शेवाले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : अध्यक्ष महोदया, नोटबंदी के चलते देशभर में ट्रांसपोर्टर समुदाय को होने वाली परेशानियों के बारे में मैं सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, ट्रांसपोर्ट आम-जनता की जरूरतों को पूरी करने की धुरी है। लेकिन कैश की तंगी की वजह से आज यह उद्योग एक तरह से बंद पड़ा है।...(व्यवधान) ट्रांसपोर्ट का सभी काम कैश में होता है, जैसे रोड टैक्स, परमिट फीस, हाईवे पर टोल टैक्स, म्यूनिसिपल टैक्स, एंट्री फीस, हाईवे के ढाबे पर खाना, मेकैनिकल मरम्मत, लोडिंग चार्जिस इत्यादि में कैश की आवश्यकता होती है।...(व्यवधान) अभी सरकार ने बैंकों से कैश निकालने की जो लिमिट रखी है, उससे ट्रांसपोर्ट्स का काम चलने वाला नहीं है। जिस कारण से ट्रांसपोर्ट मूवमेंट एकदम ठंडा पड़ा है।...(व्यवधान) मेरा सुझाव है कि ट्रांसपोर्ट्स को उनके करंट अकाउंट में से पांच लाख रुपये तक बैंकों से निकालने की सुविधा सरकार प्रदान करे, जिससे ट्रकों की आवाजाही सुचारू रूप से चालू हो सके और आम-जनता को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना न करना पड़े।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे को श्री राहुल शेवाले द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।